प्रज्ञा–प्रवाह

पाठमाला एवं अभ्यास पुस्तिका

प्रवेशिका

अ इ उ क

त+ा+ल+ा
=ताला

प्रज्ञा–प्रवाह

पाठमाला एवं अभ्यास पुस्तिका

प्रवेशिका

प्रकाशक

विद्या भारती उत्तर क्षेत्र

नारायण भवन, सलारपुर रोड, कुरुक्षेत्र – 13 6118

दूरभाष : 01744 – 259941 ई – मेल : vbukkkr@yahoo.co.in

प्रकाशक एवं वितरक

विद्या भारती उत्तर क्षेत्र

नारायण भवन, लाजपत राय मार्ग, कुरुक्षेत्र-136-118

दूरभाष : 01744-259941 ई-मेल : vbukkkr@yahoo.co.in

वितरण-केन्द्र

भारतीय शिक्षा समिति, जम्मू कश्मीर प्रदेश

भारतीय विद्या मंदिर परिसर, अम्बफला, वेद मंदिर, जम्मू-180 005

दूरभाष : 0191-2547953

E-mail: bssjmu2006@yahoo.com
bssjk08gmail.com

सर्वहितकारी शिक्षा समिति, पंजाब

सर्वहितकारी केशव विद्या निकेतन, पठानकोट बाईपास, गुरु गोबिन्द सिंह एवेन्यू, नजदीक टेलीफोन एक्सचेंज, जालन्धर-144 009

दूरभाष : 0181-2421199, 2420876

E-mail: ses_jld@yahoo.co.in, ses.jld@gmail.com

हिमाचल शिक्षा समिति, शिमला

सरस्वती विद्या मन्दिर, हिम रश्मि परिसर, विकास नगर, शिमला-171 009, दूरभाष : 0177-2624624, 2620814

E-mail: shikshasamiti@sancharnet.in
himachalshikshasamitishimla@gmail.com

हिन्दू शिक्षा समिति, हरियाणा

संस्कृति भवन, गीता निकेतन आवासीय विद्यालय परिसर, लाजपत राय मार्ग, कुरुक्षेत्र-136118 (हरियाणा)

दूरभाष : 01744-270241, 251156

E-mail: hsskkr@yahoo.co.in

ग्रामीण शिक्षा विकास समिति, हरियाणा

संस्कृति भवन, गीता निकेतन आवासीय विद्यालय परिसर, लाजपत राय मार्ग, कुरुक्षेत्र-136118 (हरियाणा)

दूरभाष : 01744-270241, 251156

E-mail: gsvskkr@yahoo.co.in

हिन्दू शिक्षा समिति-दिल्ली

डी.ए.वी.व.मा. विद्यालय क्र. 2, शंकर नगर, दिल्ली-110 051

दूरभाष : 011-22008542

E-mail: hindushikshasamiti@gmail.com

हिन्दू शिक्षा समिति, न्यास

गीता बाल भारती परिसर, राजगढ़ कॉलोनी, दिल्ली-110 031

दूरभाष : 011-22002957

E-mail: mahamantri_nyas@yahoo.co.in
hssn2604@gmail.com

समर्थ शिक्षा समिति

सरस्वती शिशु/बाल मन्दिर परिसर, आरामबाग, डेसू कार्यालय के पास, पहाडगंज, नई दिल्ली-110055

दूरभाष : 011-23631216, 23631247

E-mail: samiti59@yahoo.com

प्रथम संस्करण :2013

वैधानिक चेतावनी

यह पुस्तक विद्या भारती उत्तर क्षेत्र द्वारा प्रकाशित है। इस पुस्तक का प्रत्येक भाग सर्वाधिकार सुरक्षित है।

मुद्रक:

बुलबुल प्रिंटिंग प्रैस

प्लॉट नं॰ 1831, दीप कॉम्प्लेक्स हल्लो माजरा, चण्डीगढ़

दूरभाष: 09988338711 ई-मेल: bulbulpress@gmail.com

भूमिका

नन्हे मुन्नें शिशुओं के लिए प्रज्ञा प्रवाह नामक पुस्तक को समर्पित करके मुझे अत्यधिक आनंद की अनुभूति हो रही है। इस पुस्तक की रचना मैनें अपने जीवन के दीर्घकालीन अनुभव के आधार पर की है। ऐसा प्रयास किया गया है कि इस पुस्तक के माध्यम से शिशुओं के शब्द भंडार में वृद्धि और भाषा को अभिव्यक्त करने की क्षमता का विकास हो सके। पुस्तक की रचना करते हुए सरलता एवं सरसता का ध्यान रखा गया है। शिशु पुस्तक के रंगीन पृष्ठों की ओर आकर्षित हो और उसमें बने सुन्दर चित्रों को देखकर उससे आनंद की प्राप्ति करे। आचार्य शब्दों-वर्णों का उच्चारण करें जिसे सुनकर शिशु बोलें, पुस्तक में बने वर्णों और चित्रों को देखकर समझें तथा पढ़ने का प्रयास करें। तत्पश्चात् उसका लेखन कार्य प्रारम्भ हो सके।

पुस्तक की रचना शिशुओं की आयु और रुचि को ध्यान में रख कर की गई है। सार्थक और ऐसे चित्रों का चयन किया गया है, जिन्हें शिशु अपने आस-पास प्रत्यक्ष रूप से देखता है। श्रवण-वाचन कौशलों के विकास को ध्यान में रख कर पुस्तक की रचना की गई है। विषय को सहज एवं सरल बनाने का प्रयास किया गया है। शैशव मन को ध्यान में रखते हुए कुछ रुचिकर कविताओं की रचना भी की गई है। पुस्तक को रोचक बनाने के लिए कुछ रुचिकर अभ्यास-कार्य भी दिए गए हैं।

यह पुस्तक शिशुओं के भाषा ज्ञान को समृद्ध बनाने की प्रथम सीढ़ी है अतः उनके विकास में सहयोगी होगी। मैं उन सभी विद्वज्जनों व सहयोगियों का हृदय से आभार व्यक्त करती हूँ जिनकी प्रेरणा व सहयोग से इस पुस्तक की रचना सम्भव हो सकी है।

प्रोमिला अग्रवाल
संपादक

आओ बच्चो प्यारे बच्चो,
मिल-जुल कर सब गाते हैं।
क, ख, ग और अ, आ, इ की,
क्यारी नयी सजाते हैं।
खेल-खेल में स्वर, व्यञ्जन का
ऐसा मेल बिठाते हैं।
इन दोनों को जोड़-जोड़ कर
शब्द नवीन बनाते हैं।

अध्यापन संकेतः-आचार्य शिशुओं को गीत गाकर सुनाएँ। तत्पश्चात् शिशुओं से अपने पीछे दोहराने को कहें। इस प्रकार गीत याद करवाएँ।

स्वरांजलि

अ अनार के मीठे दाने,

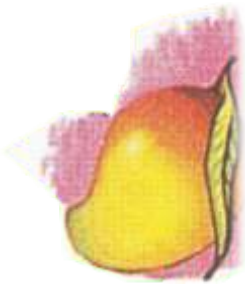

आ से आम बड़े रस वाले

इ से इमली खट्टी-खट्टी,

ई से ईख बहुत ही मीठी।

उ से उल्लू दिन में सोता,

ऊ से ऊँट बोझा ढोता।

1 **ए** से एक, **ऐ** से ऐनक, पहने मेरे दादा जी।

ओ से ओढ़े लाल ओढ़नी,
मेरी प्यारी दादी जी।

औ से औरत मेरी माता,

अं से अंगूर लाती है।

अः अः कहकर गुड़िया रानी, ताली खूब बजाती है।

अ

अनार

अमरूद

आ

आम

आलू

इ

इमली

इमारत

ई

ईख

ईश्वर

उ

उपहार

उल्लू

ऊन

ऊ

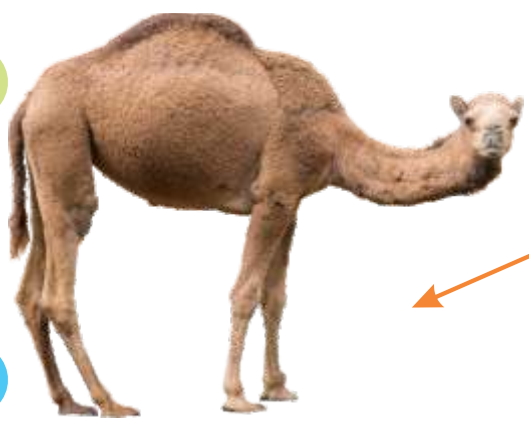

ऊँट

ऋषि

ऋ

ए

एड़ी

एलबम

ऐ

ऐवरेस्ट

ऐनक

ओ

ओखली

ओढ़नी

औरत

औ

औषधि

अं

अंगूर

अंगूठी

अः